VRS8

दृष्टि The Vision

हिन्दी (अनिवार्य)

Hindi (Compulsory)

DTVF/17–M-**Hc1**

Time Allowed: Three Hours | *Maximum Marks : 300*

नाम (Name): Sanket Agarwal

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Sanket Agarwal

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हां ✓ नहीं

मोबाइल न. (Mobile No.): ____________

ई-मेल पता (E-mail address): ____________

टेस्ट नं. तथा दिनांक (Test No. & Date): ____________

रोल न. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

0	0	7	9	5	8	5

64

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

सभी प्रश्नों का उत्तर लिखना अनिवार्य है।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।

उत्तर हिन्दी में ही लिखे जाएंगे, यदि किसी प्रश्न-विशेष में अन्यथा निर्दिष्ट न हो।

जिन प्रश्नों के संबंध में अधिकतम शब्द-संख्या निर्धारित है, वहाँ इसका अनुपालन किया जाना चाहिए। यदि किसी प्रश्न का उत्तर, निर्धारित शब्द संख्या की तुलना में काफी लंबा या छोटा है तो अंकों की कटौती की जा सकती है।

उत्तर-पुस्तिका का कोई भी पृष्ठ अथवा पृष्ठ का भाग, जो खाली छोड़ा गया हो, उसे स्पष्ट रूप से काट दिया जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

*Answer must be written in **HINDI** unless otherwise directed in the question.*

Word limit in questions. Wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks will be deducted.

Any page or portion of the page left black in the Answer Book must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

A3

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

- हिन्दी बी परीक्षा में वर्तनी अशुद्धियाँ न करें।
- व्याकरण पक्ष को और मजबूत करें।
- निबंध लेखन में विषय को अच्छे से समझकर सभी आयामों पर चर्चा करें।
- संक्षेपण में अपनी भाषा का प्रयोग करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 600 शब्दों में निबंध लिखियें: 100

(a) परिवार नियोजन में पुरुषों की हिस्सेदारी

(b) आत्महत्या को विवश किसान

(c) जैविक कृषि : एक विकल्प

(d) नैतिकता बनाम मनुष्यता

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

b) आत्महत्या को विवश किसान

'जय जवान, जय किसान' - लाल बहादुर शास्त्री जी का यह मंत्र इस बात को दर्शाता है कि देश में किसानों का क्या महत्व है। यह बात पर सभी कि एक राय है कि किसान अन्नदाता है और उनकी समृधि में ही देश की वृधि है। यह होते हुए भी आज देश के लाखों किसान इस तरह से ग्रस्त हो चूके है कि वे आत्महत्या को विवश है। क्या कारण है कि देश का किसान जो कि करोड़ों को अन्न प्रदान करता है, वह आज इतना विवश है? क्या इसके समाधान के लिए कुछ किया जा सकता है? सरकार क्या कदम उठा रही है और

भूमिका को और प्रभावी लिखें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

इनमें किस प्रकार कि सुधार कि आवश्यकता है? इन सभी प्रश्नों का उत्तर देने के बाद ही हम किसी निष्कर्ष पर पहुँच सकेंगे।

किसानों के आत्महत्या के पीछे कई कारण है। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि करीब 75% किसान जिन्होंने आत्महत्या की है, वह बहुत ही छोटे किसान है, तथा करीब 25% मध्यम किसान है। इससे एक बात स्पष्ट है कि बढ़ती जनसंख्या और उसका जमीन पर दबाव के कारण जो जमीन का बटवारा हुआ है, वह एक प्रमुख कारण है।

भारतीय कृषि व्यवस्था आज भी प्राकृतिक तत्वों के आगे बेबस है। करीब 50% जमीन में जल सिंचाय कि व्यवस्था नहीं है। इसके अलावा, प्राकृतिक आपदाओं का भी धान पर बुरा असर पड़ता है।

ग्रामीण भारत वर्तमान स्थिति तथ्यों साथ स्पष्ट

Copyright - Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

एक और मुख्य कारण यह है कि आर्थिक रूप से किसान बैंक तथा स्थापित व्यवस्था का लाभ नहीं ले पाता और अक्सर ही बिचौलियों और जमींदारों के चंगुल में आ जाता है।

इन प्रमुख कारणों के अलावा, अन्य कई कारण हैं, जैसे - आधुनिक तकनीक न मिल पाना, धान की सही कीमत न मिलना, धान कि स्टोरेज कि व्यवस्था न होना इत्यादी - जिनके कारण किसान अपने व अपने परिवार कि मुख्य जरूरतों को भी पूरा नहीं कर पाता और आत्महत्या करने पें विवश हो जाता है।

ग्रामीण भारत की वर्तमान स्थिति को तथ्यों के साथ और स्पष्ट करें।

इन समस्याओं का जल्द से जल्द उपयुक्त इलाज करना बहुत आवश्यक है। सरकारी योजनाएँ जैसे 'प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना', 'राष्ट्रीय कृषि विकास योजना',

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-17532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright - Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

सॉइल हेल्थ कार्ड स्कीम, और अन्य कई योजनाएँ मिलकर किसानों को आत्मनिर्भर तथा आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

सरकारी योजनाओं को तथ्यों के साथ और स्पष्ट करें।

बजट 2017 में सरकार ने यह लक्ष्य दिया है कि 2022 तक किसानों कि आमदनी दुगनी होनी चाहिए। इसके लिए 'नाबार्ड' में कई तरह के कोश खोले गए हैं जैसे जल सिंचाय कोश...

सिंचाय के क्षेत्र में सरकार ए.आई.बी.पी. योजना काफी महत्वपूर्ण है। इसमें 'माईक्रो ईरीगेशन' पर जोर दिया गया है।

राज्यों कि ए.पी.एम.सी. कानून में भी बदलाव का सुझाव दिया गया है जिससे कि बिचौलियों को किनारे करते हुए,

हाल के उदाहरणों की भी चर्चा करें।

वर्तनी अशुद्धियाँ करें।

18

Copyright - Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किसान को उसके फसल कि सही राशी मिले।

इस दिशा में और प्रयासो कि जरूरत है जैसे कि आर्थिक, तकनीकि, सामाजिक मदद एवं सहारा ताकि किसान मौसम और किस्मत के अनिश्चीताओं से बाहर निकल कर एक आत्मसम्मान भरा जीवन जी सके। किसी भी देश के प्रगती के लिए एक मूल आवश्यकता यह है कि उस देश का अंतिम तथा अंत्योदय व्यक्ति भी अपने जीवन में प्रगती का अनुभव कर सके। बढते हुए भारत का यह दायित्व है कि वह अपने 60% नागरीकों, जो किसान है, उनकी समस्याओं का समाधान करे तथा उनके व्यक्तिगत और सामाजिक उत्थान के लिए काम करे।

हाल के उदाहरणों की भी चर्चा करें।

वर्तनी अशुद्धियाँ न करें।

18

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये और उसके आधार पर नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर स्पष्ट, सही और संक्षिप्त रूप में दीजिये: 12×5 = 60

क्या कारण है कि आज सड़क यातायात में सुरक्षा चिंता का विषय है और सार्वजनिक स्वास्थ्य का प्रमुख मुद्दा बन चुकी है? अकेले 2014 में ही सड़क दुर्घटनाओं में 1.39 लाख से ज़्यादा लोगों की मौत हुई। यह सत्य है कि परिवहन नेटवर्क का विस्तार किये बिना वृद्धि करना संभव नहीं है। भारत भी वृद्धि कर रहा है, सड़क यातायात का विस्तार कर रहा है। सड़क यातायात के स्वाभाविक परिणामस्वरूप देश में शहरीकरण का स्तर बढ़ा है, साथ ही शहरों में जनसंख्या का भारी दबाव भी है। सड़क नेटवर्क के तीव्र विस्तार के साथ वाहनों की संख्या में भी तीव्र वृद्धि हुई है और सड़कों पर दबाव में अत्यधिक वृद्धि आई है, जिसके लिये हम पहले से तैयार नहीं थे। हमने समकालीन यातायात नियम बनाने और इन नियमों को अपनाने के बारे में जागरूकता फैलाने सहित आधुनिक यातायात प्रबंधन प्रणालियाँ और पद्धतियाँ भी नहीं अपनाईं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के अनुसार, भारत में प्रति मिनट एक सड़क दुर्घटना होती है और हर चौथे मिनट में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो जाती है। सड़क सुरक्षा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की पहली वैश्विक स्थिति रिपोर्ट (2009) के अनुसार, विश्व में सर्वाधिक मौतें सड़क दुर्घटनाओं से होती हैं तथा इससे प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या और भी अधिक है। सड़क सुरक्षा पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट-2015 के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं के कारण विश्व भर में प्रतिवर्ष लगभग 12 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। सड़क दुर्घटनाओं से न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य को क्षति होती है बल्कि विकासशील देशों को अपने जीडीपी के 5 प्रतिशत के बराबर क्षति होती है।

सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु को अगले 5 वर्षों में 50 प्रतिशत तक कम करने की प्रतिबद्धता के साथ सरकार ने मोटर वाहन (संशोधन) विधेयक, 2016 को मंज़ूरी दी है। सड़क सुरक्षा नीति और प्रस्तावित अधिनियम, दोनों में जनता के बीच जागरूकता फैलाने और सड़क यात्रा को सुरक्षित बनाने में जनता की भूमिका के बारे में उसे शिक्षित करने पर ज़ोर दिया गया है। इस बात को ध्यान में रखते हुए विभिन्न हितधारकों को जागरूक बनाने के लिये हर साल जनवरी में 'सड़क सुरक्षा सप्ताह' का आयोजन किया जाता है।

सड़क सुरक्षा के तौर-तरीकों और आवश्यकताओं के बारे में विविध प्रकार के कार्यक्रम, जैसे- वाहन चलाते समय हेल्मेट्स या सीट बेल्ट्स का इस्तेमाल, मेडिकल जाँच शिविर आदि कार्यक्रमों का आयोजन विभिन्न समूहों, जैसे- सड़क पर यात्रा करने वालों, चालकों तथा स्कूली बच्चों, छात्रों और युवाओं को लक्षित करते हुए किया जाता है। सड़क सुरक्षा के लिये अभियान को सफल बनाने हेतु परिवहन, बीमा, स्वास्थ्य, विधि, व्यवसायियों, राजमार्ग अभियंताओं और वाहनों के निर्माताओं को इसके साथ जोड़ना आवश्यक है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गद्यांश ... पंक्तियों ... ही न लि...

मानव ... की ...

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(a) किस कारण से सड़क यातायात सार्वजनिक स्वास्थ्य का प्रमुख मुद्दा बन चुका है?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

सड़क यातायात सार्वजनिक स्वास्थ्य का प्रमुख मुद्दा इसलिए बन चुका है क्योंकि बढ़ती सड़क यातायात के साथ सड़क दुर्घटनाओं का स्तर भी बढ़ रहा है।

सड़क सुरक्षा पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट-2015 के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं से हर वर्ष लगभग 12 लाख लोगों की मृत्यु होती है, और अन्य कई लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। अकेले भारत में ही 2014 में इस कारणवश 1.39 लाख लोगों की मौत हुई और कई अधिक घायल हुए। इसलिए यह स्वास्थ्य का प्रमुख मुद्दा बन चुका है।

गद्यांश की पंक्तियों में ही न लिखें

2½

(b) किस प्रकार सड़क दुर्घटना स्वास्थ्य के साथ आर्थिक मुद्दा भी है?

सड़क दुर्घटना सिर्फ एक स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं है बल्कि इसका सीधा असर मनुष्य तथा देश के आर्थिक व्यवस्था पर पड़ता है।

ऐसा अनुमान है कि इस कारण, विकासशील देशों को अपने जीडीपी के 5 प्रतिशत के बराबर क्षति होती है।

इसके अलावा व्यक्तिगत स्तर पर भी अस्पताल, दवाईयाँ आदि का खर्च आर्थिक दबाव डालता है। किसी भी देश कि वृद्धि के लिए यह आवश्यक है कि एक सुरक्षित परिवहन व्यवस्था का निर्माण हो।

मानव संसाधन की चर्चा करें

2½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) सड़क सुरक्षा नीति का क्या उद्देश्य है?

~~किसी~~ सड़क सुरक्षा नीति का उद्देश्य - जनता के बीच जागरूकता फैलाना और सड़क यात्रा को बनाने में जनता की भूमिका के बारे में उसे शिक्षित करना है।

इसका अंतिम लक्ष्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा हमारे सड़कों को सुरक्षित बनाना है।

संबंधित विषय को और स्पष्ट करें।

2

3½

(d) लेखक के अनुसार किस बात के लिये हम पहले से तैयार नहीं थे?

लेखक कहते हैं कि भारत कि वृद्धि के साथ, यह के सड़क यातायात का भी विस्तार हो रहा है। शहरों में जन संख्या के भारी दबाव व वाहनों की संख्या कि तीव्र वृद्धि के कारण सड़कों पर अधिक दबाव आ गया है।

हम इस दबाव के लिए पहले से तैयार नहीं थे तथा हमने ना ही इसके अनुकूल नियम बनाये व अपनाए, जबकि हमने आधुनिक यातायात प्रणालियाँ और पद्धतियाँ भी नहीं अपनाई

वाहन नीति के संदर्भ में और चर्चा करें।

2

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

(e) गद्यांश में किन हितधारकों को जागरूक बनाने की बात कही गई है?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गद्यांश में विभिन्न हितधारकों को, सुरक्षा नीति और प्रस्तावित मोटर वाहन विधेयक, 2017 के प्रति जागरूक बनाने कि बात कही गई है। यह हितधारक समाज के विभिन्न वर्ग से आते है, जैसे- सड़क पर पैदल चलने वाले तथा मोटर चालक, स्कूली बच्चे, छात्रों, युवा, वाहनों के निर्माताओं, बीमा व स्वास्थ संस्थाएँ - इन सभी को जागरूक बनाने तथा साथ जोड़ने कि आवश्यकता है।

3½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण (precis) एक-तिहाई शब्दों में कीजिये। शीर्षक देने की आवश्यकता नहीं है। संक्षेपण अपनी भाषा में किया जाना चाहिये: (60)

पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु वर्ष 1972 से ही विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। आज इस कार्यक्रम को और भी अधिक इच्छाशक्ति और मजबूती के साथ सफल बनाने की आवश्यकता है क्योंकि इन वर्षों में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लोगों का प्रकृति से अलगाव बढ़ा है। प्रकृति से दोबारा जुड़ने के लिये पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान (एनईएसी) शुरू किया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत गैर-सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, महिला और युवा संगठनों को पर्यावरण के मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

पारंपरिक रूप से तीर्थयात्रा के केंद्र मुख्यतया प्राकृतिक परिवेश, विशेष रूप से पहाड़ों या नदियों के तटों पर स्थित होते हैं। जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ गुफा और चीन के तिब्बती पठार में कैलाश मानसरोवर की तीर्थयात्रा के मार्ग में भी कई असाधारण प्राकृतिक सौंदर्य के स्थल हैं, जिनका आम आदमी के लिये काफी आध्यात्मिक महत्त्व है। तीर्थयात्रा के ये मार्ग प्रकृति के साथ दोबारा जुड़ने के मुख्य तरीके है और मानव, प्रकृति तथा आध्यात्मिकता के बीच अंतर-संयोजनात्मकता को दर्शाते हैं। इसी प्रकार नर्मदा परिक्रमा भी एक और परंपरागत तीर्थयात्रा का मार्ग है, जिसमें लोग नर्मदा नदी के तट के साथ-साथ चलते हुए नदी की सुंदरता और प्राकृतिक परिवेश की सराहना करना सीखते है।

देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र के दो प्रतिशत इलाकों में बने मौजूदा 166 राष्ट्रीय उद्यान और 515 वन्यजीव अभयारण्यों से भी लोगों को प्रकृति से दोबारा जुड़ने, वन्य जीवन और देश के हरित स्थलों का आनंद लेने का अवसर मिलता है। प्राकृतिक संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन् मंत्रालय ने शहरों में सार्वजनिक स्थलों पर हरियाली को बढ़ावा देने तथा सभी प्रकार के अपशिष्ट को कम करने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। शहरी क्षेत्रों में सड़क निर्माण और खुले स्थानों पर फर्श बनाने तथा सीमेंट लगाने के जुनून के कारण युवा पीढ़ी प्रकृति से दूर हो गई है। सड़कों को चौड़ा करने के लिये पुराने वृक्षों को गिराने और पैदल यात्री तथा साइकिल चालकों से अधिक स्थान वाहनों के लिये रखने से शहरी नागरिकों का प्रकृति से जुड़ाव और कम हुआ है।

भारत सरकार विश्व पर्यावरण दिवस पर देश भर के 4000 शहरों में विशाल अपशिष्ट प्रबधन अभियान शुरू कर रही है। इस अभियान के अंतर्गत इन शहरों में कूड़ा एकत्र करने के नीले और हरे रंग के डिब्बे वितरित किये जाएंगे तथा आम लोगों को अपनी जीवनशैली में स्वच्छता की संस्कृति अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिये जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। सरकार का उद्देश्य मूल स्थान पर ही सूखे और गीले कूड़े को अलग-अलग करने के लिये लोगों की आदत में बदलाव लाना है ताकि तद्नुसार कूड़े का प्रबंधन किया जा सके।

भारतीय संस्कृति में प्रकृति के साथ जुड़ना ज्ञान और शांति प्राप्त करने का आधार है। संत या ऋषि जंगलों या अरण्य संस्कृति से ज्ञान प्राप्त करते हैं। वे प्रकृति के साथ सद्भाव से रहते हैं और अपने प्राकृतिक परिवेश से अधिकतर ज्ञान आत्मसात करते हैं। प्रकृति के साथ दोबारा जुड़ना आधुनिक समय के तनाव को कम करने तथा व्यक्ति और समुदाय में सद्भाव लाने में मददगार होता है। हरियाली से न केवल शोर और ध्वनि प्रदूषण कम होता है, बल्कि तापमान कम करने में भी मदद मिलती है, जो जलवायु परिवर्तन के असर को कम करने में सहायक है। प्रकृति के साथ दोबारा जुड़ने के लिये हमें इन विचारों को अपनी दैनिक गतिविधियों में शामिल करने की आवश्यकता है। आम व्यक्ति के लिये ये जानना आवश्यक है कि जो साँस वह लेता है, पानी पीता है, भोजन खाता है, वे सभी प्रत्यक्ष रूप से प्रकृति के उत्पाद हैं और प्रकृति से जुड़ाव मानव जाति के जीवित रहने का आधार है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए वर्ष 1972 से विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। आज इसकी और भी आवश्यकता को ध्यान रखते हुए, राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान शुरू किया गया है जिसके अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रमों के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

प्रमुख तीर्थयात्राएँ प्राकृतिक वातावरण में स्थित हैं, जो कि आम आदमी को प्रकृति के साथ दोबारा जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्यों तथा शहरों में हरियाली को बढ़ावा देना प्राकृतिक जुड़ाव के लिए आवश्यक है। शहरों में सीमेंट व कांक्रीट के ढाँचों के कारण लोगों का प्रकृति से जुड़ाव कम हुआ है।

सरकार एक विशेष अपशिष्ट प्रबंधन

वर्तनी अशुद्धियों से बचें

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
611, षष्ठम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अभियान शुरू कर रही है जिससे कि मूल स्थान पर ही सूखे और गीले कूड़े को अलग किया जायेगा। जाने के लिए लोगों में व्यवहारिक बदलाव का प्रयास किया जाएगा।

~~प्राकृतिक~~ प्रकृति से जुड़े रहना मानव जाति के जीवित रहने का आधार है। यह मन में शांति और समुदाय में सद्भाव लाता है। यह मनुष्य को प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से भी बचाता है। इसलिए आवश्यक है कि हम प्राकृतिक विचारों को अपनी दैनिक गतिविधियों में शामिल करें।

अपनी भाषा में गद्यांश के मूल भाव की ओर चर्चा करें।

12

Copyright – Drishti The Vision Foundation
Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. निम्नलिखित गद्यांश का अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिये:

वे सभी प्राकृतिक परिवेश जो हम देख सकते हैं अथवा नहीं देख सकते हैं, जैसे- भूमि, जंगल, पानी, पहाड़, वायु, जानवर, पक्षी, कीट, जीवाणु और अन्य वस्तुएँ पर्यावरण कहलाता है। कोई भी जीव एक निश्चित पर्यावरण में ही रह सकता है। पर्यावरण हमें जीवन जीने के लिये सभी आवश्यक वस्तुएँ प्रदान करता है। यह हमें पोषण देता है। पर्यावरण भी एक जीव की तरह व्यवहार करता है। जिस प्रकार जीव स्वस्थ और अस्वस्थ हो सकता है उसी प्रकार पर्यावरण भी स्वस्थ अथवा अस्वस्थ हो सकता है। स्वस्थ वातावरण के लिये प्रकृति में संतुलन का होना आवश्यक है। यदि किसी कारण से प्रकृति में असंतुलन होता है तब हमारा वातावरण अस्वस्थ हो जाता है। स्वस्थ वातावरण में सृजन और विकास होता है, जबकि अस्वस्थ वातावरण में विनाश होता है।

मानव द्वारा निर्मित वातावरण को मानव निर्मित वातावरण कहा जाता है। मानव निर्मित वातावरण प्राकृतिक वातावरण को प्रभावित करता है। हमने प्रकृति का अंधाधुंध दोहन किया है जिससे प्रकृति असंतुलित हो गई है। ग्लोबल वार्मिंग प्रकृति को दूषित करने का ही परिणाम है। हमें अस्तित्व को बचाने के लिये प्रकृति का उपचार करना होगा। हमें मिल-जुलकर वातावरण को स्वस्थ करना होगा। इसके लिये प्राकृतिक संसाधनों का धारणीय उपयोग तथा वातावरण को स्वच्छ रखना आवश्यक है।

All those natural elements that we can as well as those that we cannot see, like- land, forests, water, mountains, wind, animals, birds, microscopic organisms, etc. - constitute And are called environment. Any living being can survive only in a specific environment. The environment provides us with all the necessary things which are needed to live. It gives us nourishment. The environment too, behaves like a living entity. Just as a living being can be healthy or unhealthy.

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright - Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

Similarly, the environment too can be healthy as well as unhealthy. For a healthy surrounding it is essential to have balance in nature. If, by any reason, there is imbalance in nature, then our surroundings ~~and~~ become unhealthy. There is growth and development in a healthy atmosphere, whereas in an unhealthy atmosphere, there is destruction.

The ~~envir~~ surroundings which are built by humans are called human built surrounding. Human built environment influences the natural surroundings. We have blindlessly exploited nature, due to which it has become imbalanced. Global warming is the result of this pollution of nature. To protect our identity, we have to rejuvenate nature. Together, we have to make the surroundings healthy. For this, the sustainable use of natural resources as well as keeping the environment healthy, is important.

सही एवं सटीक शब्दों का चयन करें।

6½

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिये:

Humanity can be defined as quality of being human. But being human does not mean that an individual possesses humanity. Humanity is an important part of life which tells that to help others, try to understand others and realize the people problems with our own eyes and try to help them.

The strongest thing on the earth is love, all humans should be treated with respect. Good people deserve to be treated in the same way they treat others. There should not be any crimes, torture in this world.

For showing humanity you do not need to be a rich person, even a poor person can show humanity by helping someone or sharing his or her food, etc. Every religion tells us about humanity. We should live by each other's happiness, not by each others misery. It's not good enough to love God and your family. You have to also love humanity as a whole.

Humanity means caring for and helping others whenever and wherever possible. Forgetting your selfish interests at times when others need your help. Humanity, in general, is perceived as a charity. It spreads across the roads, we travel, places we dwell, and people we meet. It is very much available in plenty. In fact, it has grown and evolved much better than centuries. Mother Teresa is one of the most outstanding examples of extra-ordinary humanity in a human being. Humanity in human being has no limit.

मानवता

इंसानियत का अर्थ है इंसान होने का गुण होना। लेकिन सिर्फ इंसान होने का मतलब यह है नहीं कि उस व्यक्ति में इंसानियत हो। इंसानियत हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण भाग है जो हमें सिखाता है कि दूसरों की मदद करना, दूसरों को समझने का प्रयास करना और दूसरों कि परेशानियों को स्वयं देखकर महसूस करना और उनकी मदद करने का प्रयास करना। दुनिया में सबसे शक्तिशाली वस्तु प्यार या प्रेम है, सभी इंसानों के प्रति आदरता का व्यवहार होना चाहिए। अच्छे लोगों को भी

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

उसी तरह का व्यवहार मिलना चाहिए जैसा वे
दूसरों के प्रति व्यक्त करते हैं। कोई भी गुनाह
या शोषण दुनिया में कहि भी नही होनी चाहिए
इंसानियत दिखाने के लिए धनी व्यक्ति होना आवश्यक
नहीं है, एक गरीब व्यक्ति भी इंसानियत दिखा
सकता है किसी कि मदद करके या अपना खाना
बाँटकर, अर्थात हर धर्म इंसानियत के बारे में
बताता है। हमें एक दूसरे के गम के लिए नहीं,
बल्कि एक दूसरे की खुशी के लिए जीना चाहिए
सिर्फ ईश्वर और अपने परिवार से प्रेम करना.
काफी नहीं है। आपको पुरे इंसानियत से भी
प्रेम करना होगा।
इंसानियत का मतलब है दूसरों का सम्मान रखना तथा उनकी
मदद करना जब भी संभव हो। अपने स्वार्थ को भूलजाना
जब दूसरों को आपकी मदद चाहिए। इंसानियत को
दान के रूप में देखा जाता है। जो सड़क पर हम चलते हैं,
जिन जगहों पर हम रहते हैं और जिन लोगों से हम मिलते
हैं, इंसानियत सभी जगह फैल जाती है। यह
पर्याप्त मात्रा में पाई जाती है। बल्कि सदियों के
दौरान, इसका विकास हुआ है। मदर टेरेसा इंसानों
में इंसानियत कि एक बड़ी उदाहरण है। इंसानों में
इंसानियत कि कोई कंदिश नहीं है।

वर्तनी अशुद्धियाँ न करें

II, सही शब्दों का चुनाव करें

5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright - Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान पर प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिये: $2 \times 5 = 10$

कृपया इस स्थान पर कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(i) हाथ कंगन को आरसी क्या?

(ii) जिन खोजा तिन पाइयाँ गहरे पानी पैठ।

(iii) कोयले की दलाली में हाथ काले।

अर्थ - बुरे काम करने पर उसका प्रभाव स्वयं पर पड़ ही जाता है।

वाक्य - शराब की दुकान चलाते चलाते वह खुद भी शराबी बन गया, जैसे कोयले की दलाली में हाथ काले। (2)

(iv) छोटा मुँह बड़ी बात।

अर्थ - अपने कद से अधिक बोलना।

वाक्य - मिरा को अपने दादाजी को सलाह देते देखकर उसकी माँ ने उसे प्यार से डाँटते हुए कहा कि छोटा मुँह बड़ी बात। (2)

(v) ऊँची दुकान फीका पकवान।

अर्थ - बहुत नाम व शोहरत होने के बावजूद खुद खास गुण न होना

वाक्य - इतने नामी प्रोफेसर की क्लास करने के बाद मुझे बहुत निराशा हुई, क्योंकि ऊँची दुकान फीका पकवान। (1)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

Scanned by CamScanner

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप लिखियें: 2×5 = 10

(i) महाभारत का युद्ध अठारह दिनों तक चलता रहा।

महाभारत का युद्ध अठारह दिनों तक चला।

0

(ii) उसके पास अमूल्य अँगूठी है।

उसके पास एक अमूल्य अँगूठी है।

0

(iii) मेरे पिताजी सायंकाल के समय घूमने जाते हैं।

मेरे पिताजी सायंकाल में घूमने जाते हैं।

2

(iv) मोहन सारी रात भर हिन्दी पढ़ता रहा।

मोहन सारी रात हिन्दी पढ़ता रहा।

2

(v) सर्वोच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री का हत्यारा को मृत्यु दंड की सजा दी।

सर्वोच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री के हत्यारे को मृत्यु दंड की सजा दी।

0

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(c) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखियें: 2×5 = 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(i) पुत्री

बेटी, आयुष्मती 1

(ii) बिजली

विद्युत 1

(iii) सागर

समुद्र 1

(iv) इच्छा

कामना, चाहत 1

(v) अमृत

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

Scanned by CamScanner

A3

इस स्थान में प्रश्न के अतिरिक्त कुछ न लि
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) निम्नलिखित युग्मो को इस तरह से वाक्य में प्रयुक्त कीजिये कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए और उनके बीच का अंतर भी शब्दार्थ में लिखित रूप में वर्णित हो: 2×5 = 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(i) उत्कट - उद्‌भव

(ii) निर्गम - निगम

(iii) प्रसाद - प्रासाद

(iv) अक्षत - अक्षर

(v) प्रतिज्ञा - प्रतीक्षा

- प्रतिज्ञा - विद्यार्थी ने परिक्षा में सफल होने के लिए कड़ी प्रतिज्ञा करी।

प्रतीक्षा - मैं पिछले एक घंटे से तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा हूँ।

अर्थ भी स्पष्ट नहीं

1/2

Copyright - Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner